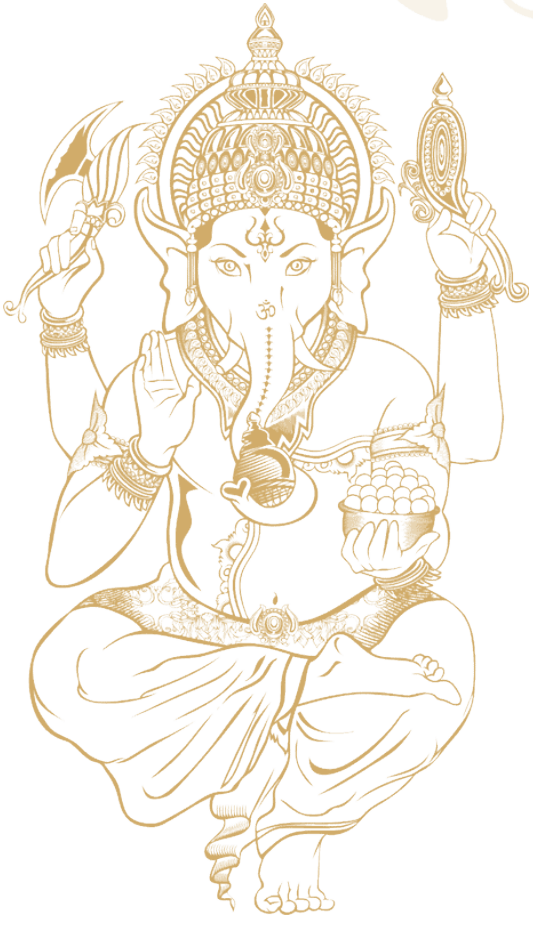

Mr.Rahul kohli

05 Jan 1996

05:55 AM

Rishikesh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121026204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/01/1996**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:55:00 घंटे**
इष्ट	56:42:57 घटी
स्थान	**Rishikesh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	78:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:38:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:39 घंटे
सूर्योदय	07:13:49 घंटे
सूर्यास्त	17:29:30 घंटे
दिनमान	10:15:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:07:50 धनु
लग्न के अंश	00:37:41 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:37:41	323:08:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			धनु	20:07:50	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	10:53:22	11:52:13	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	03:30:12	00:46:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			मक	09:19:13	00:46:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	06:34:57	00:13:31	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	स्वराशि
शुक्र			मक	23:45:16	01:13:39	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
शनि			कुंभ	25:52:28	00:04:23	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	स्वराशि
राहु	व		कन्या	29:02:27	00:14:04	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	29:02:27	00:14:04	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	05:46:31	00:03:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:01:29	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:16:36	00:01:54	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	15:21:37	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:12

लग्न-चलित

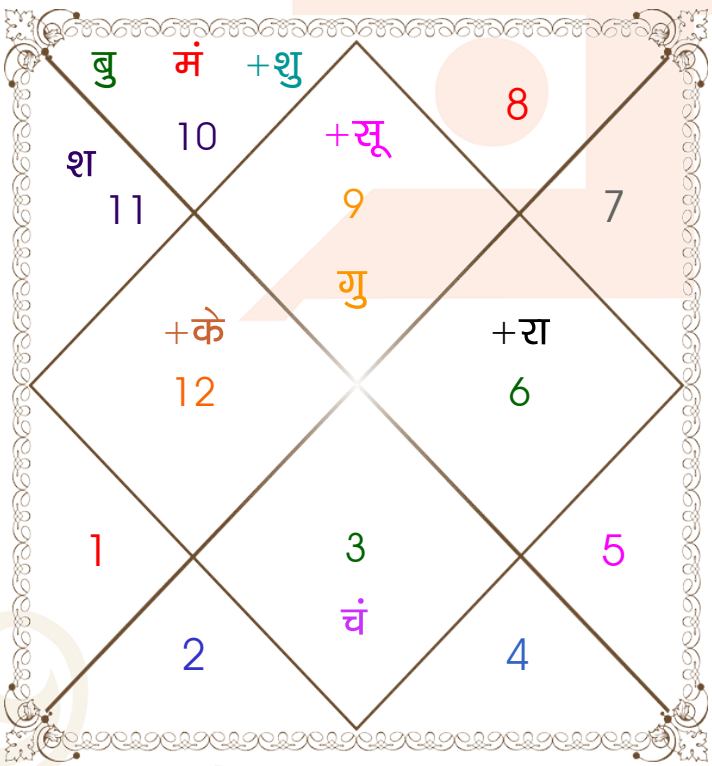

चन्द्र कुंडली

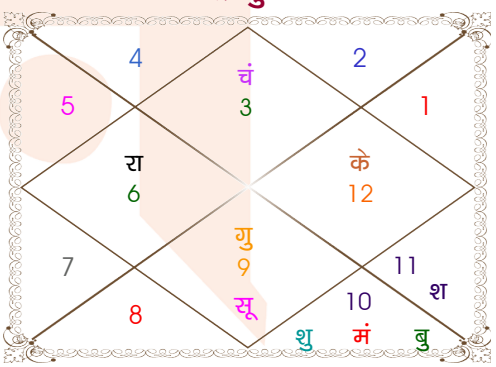

नवमांश कुंडली

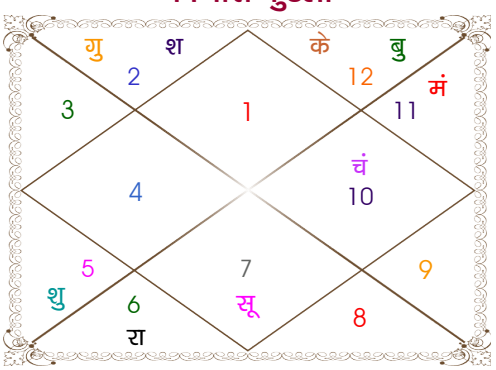

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 3 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/01/1996		23/04/2008		23/04/2024		24/04/2043		23/04/2060	
23/04/2008		23/04/2024		24/04/2043		23/04/2060		24/04/2067	
	00/00/0000	गुरु	11/06/2010	शनि	27/04/2027	बुध	19/09/2045	केतु	19/09/2060
	05/01/1996	शनि	22/12/2012	बुध	04/01/2030	केतु	17/09/2046	शुक्र	19/11/2061
शनि	05/04/1998	बुध	30/03/2015	केतु	13/02/2031	शुक्र	17/07/2049	सूर्य	27/03/2062
बुध	23/10/2000	केतु	05/03/2016	शुक्र	14/04/2034	सूर्य	24/05/2050	चंद्र	26/10/2062
केतु	10/11/2001	शुक्र	04/11/2018	सूर्य	27/03/2035	चंद्र	23/10/2051	मंगल	24/03/2063
शुक्र	10/11/2004	सूर्य	23/08/2019	चंद्र	26/10/2036	मंगल	20/10/2052	राहु	11/04/2064
सूर्य	05/10/2005	चंद्र	22/12/2020	मंगल	04/12/2037	राहु	09/05/2055	गुरु	18/03/2065
चंद्र	05/04/2007	मंगल	28/11/2021	राहु	10/10/2040	गुरु	14/08/2057	शनि	27/04/2066
मंगल	23/04/2008	राहु	23/04/2024	गुरु	24/04/2043	शनि	23/04/2060	बुध	24/04/2067

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/04/2067		24/04/2087		23/04/2093		25/04/2103		24/04/2110	
24/04/2087		23/04/2093		25/04/2103		24/04/2110		00/00/0000	
शुक्र	23/08/2070	सूर्य	11/08/2087	चंद्र	22/02/2094	मंगल	21/09/2103	राहु	05/01/2113
सूर्य	23/08/2071	चंद्र	10/02/2088	मंगल	23/09/2094	राहु	08/10/2104	गुरु	31/05/2115
चंद्र	23/04/2073	मंगल	17/06/2088	राहु	24/03/2096	गुरु	14/09/2105	शनि	06/01/2116
मंगल	23/06/2074	राहु	12/05/2089	गुरु	24/07/2097	शनि	24/10/2106		00/00/0000
राहु	23/06/2077	गुरु	28/02/2090	शनि	22/02/2099	बुध	21/10/2107		00/00/0000
गुरु	22/02/2080	शनि	10/02/2091	बुध	24/07/2100	केतु	18/03/2108		00/00/0000
शनि	24/04/2083	बुध	17/12/2091	केतु	22/02/2101	शुक्र	19/05/2109		00/00/0000
बुध	22/02/2086	केतु	23/04/2092	शुक्र	24/10/2102	सूर्य	23/09/2109		00/00/0000
केतु	24/04/2087	शुक्र	23/04/2093	सूर्य	25/04/2103	चंद्र	24/04/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।